TOPIC Date

कि हर व्यक्ति अपना घर तो साफ जरूर करता है। पर अपनी सारी गंदगी इकट्ठा करकर बाहर सड़कों पर गलियों चौराहों पर फेंक देते हैं हम यह नहीं सोचते कि पूरा देश ही हमारा घर है। इसे भी हमें ही साफ रखना है। अगर हम समाज में बदलाव लाना चाहते हैं तो सर्वप्रियम हमें स्वयं में बदलाव लाना होगा।

नुक्कड़ नाटक में भाग लेने वाले प्रतिभागी निम्नलिखित हैं।

प्रतिभागियों के नाम ⇒

1. कार्तिका जैन
2. मानसी राठौर
3. अपर्णा नामदेव
4. पूजा श्रीवास्तव
5. मयंक
6. आंचल प्रसाद
7. दिव्या लोधी

इन सभी विद्यार्थियों द्वारा रोचक प्रस्तुती दी गई जिसके द्वारा [illegible] को जागरुक करने का प्रयास किया गया।

"मन में रखो एक ही सपना
स्वच्छ बनाना है भारत अपना।"

VISHAL

शासकीय एकीकृत माध्य.शाला करमेता
विकास खण्ड - पनागर
जिला - जबलपुर

शासकीय एकीकृत माध्य.शाला करमेता
विकास खण्ड - पनागर
जिला - जबलपुर

डॉ. राधाकृष्णन कॉलेज ऑफ एजुकेशन" जबलपुर

स्वच्छता जागरूकता अभियान

वॉल पेंटिंग

26/02/2022

PRINCIPAL
Dr. Radhakrishnan College of
Education Karmeta, Jabalpur

डॉ. राधाकृष्णन कॉलेज ऑफ एजुकेशन

विषय : स्वच्छता जागरूकता अभियान "पेंटिंग"

दिनांक: 26/2/2022

डॉ राधाकृष्णन कॉलेज ऑफ एजुकेशन के तत्वाधान में स्वच्छता जागरूकता अभियान के तहत विद्यार्थियों विद्यार्थियों द्वारा महाविद्यालय की दीवारों, व सार्वजनिक स्थानों पर पेंटिंग के माध्यम से स्वच्छता का संदेश देने वाले चित्र बनाये गये।

इसमें घरों के आसपास साफ-सफाई रखना, डस्टबिन में कचरा डालना, शौचालय का उपयोग करना, पौधारोपण करना, अन्य प्रकार के चित्रों की पेंटिंग बनवाकर लोगों को जागरूक करने का प्रयास किया गया। विद्यार्थियों द्वारा स्वच्छता का संदेश दीवारों पर लिखवाकर, महाविद्यालय द्वारा आम नागरिकों को जागरूक करने का प्रयास किया गया।

स्वच्छता सप्ताह की शुरुआत अपने आप में एक अनूठी मुहिम है। जिसमें सभी विद्यार्थियों की सक्रिय भागिता आवश्यक है, जो कि परिलक्षित हो रही है,

विद्यार्थियों द्वारा सभी को चित्रकला द्वारा स्लोगन द्वारा लोगों को गंदगी एवं कचरा सड़क एवं नदी में न फेंकने के प्रति जागरूक करने का प्रयास किया गया।

स्वच्छता सप्ताह मनाने का मुख्य कारण आसपास साफ सफाई रखना, लोगों को स्वच्छता का महत्व बताया है,

विद्यार्थियों द्वारा लिखे गये स्लोगन बहुत ही प्रेरणादायक हैं, जो कि निम्नलिखित हैं –

"युवा शक्ति है सब पर भारी
चलो करो स्वच्छ भारत की तैयारी"

चित्रकला एवं स्लोगन बनाने वाले विद्यार्थियों का नाम
① अपर्णा नामदेव, मानसी राठौर, कृतिका जैन, पूजा श्रीवास्तव, आयुषी अग्रवाल, नन्दिनी, आंचल प्रसाद इत्यादि विद्यार्थियों की सहभागिता थी।

SWACHH BHARAT

स्वच्छता अभियान रैली 2017 - 18

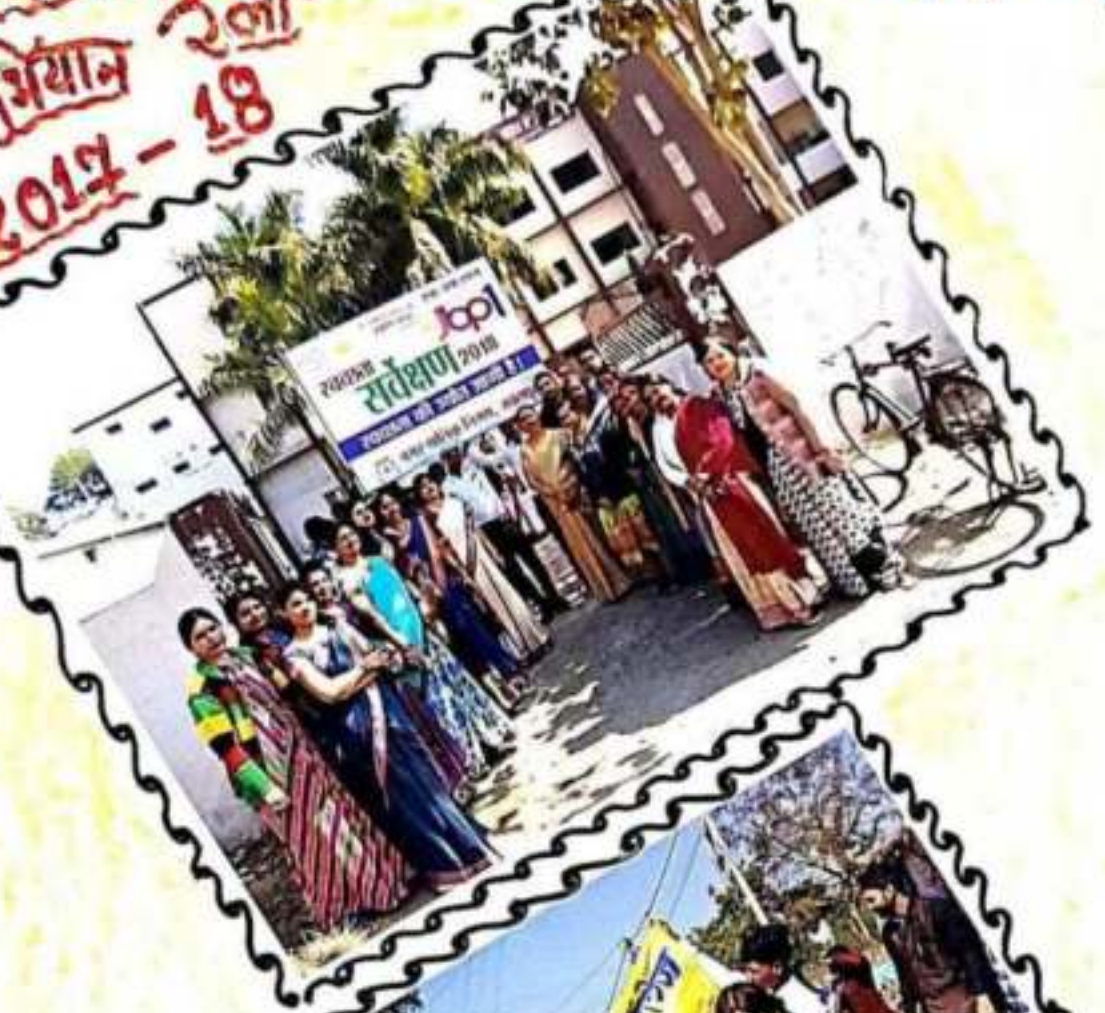

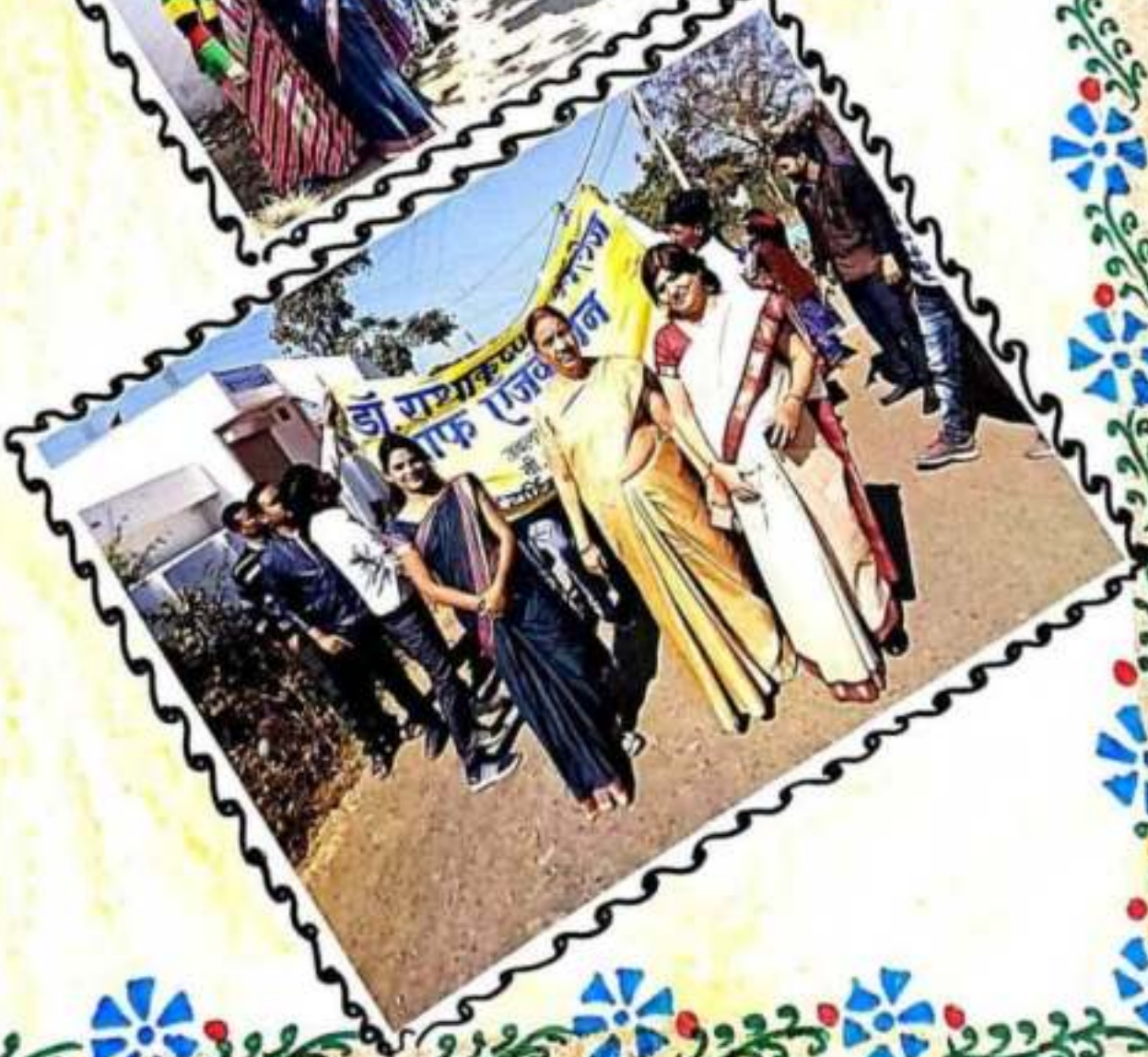

स्वच्छता सर्वेक्षण 2018

विश्व एड्स दिवस "जागरूकता रैली"

1-12-2018

डॉ. राधाकृष्णन कॉलेज ऑफ एजुकेशन

"विश्व एड्स दिवस"

जागरूकता रैली 1-12-18

आज दिनांक 1-12-18 को को डॉ राधाकृष्णन कॉलेज में विश्व एड्स दिवस के अवसर पर जन जागरूकता रैली का आयोजन किया गया। जिसमें महाविद्यालय के समस्त विद्यार्थियों ने बड़ी संख्या में भाग लिया। तथा इन विद्यार्थियों के साथ न्यू ओकांर्क हायर सेकेंडरी उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के छात्र भी उपस्थित हुए। इसके अलावा महा-विद्यालय तथा विद्यालय के समस्त शिक्षक-गण तथा अन्य सदस्यों ने भी इस रैली में भाग लिया। तथा इस विशाल रैली को सफल बनाने में अपना योगदान देते हुए अधिक से अधिक संख्या में लोगों को जागरूक करने का प्रयास किया। जैसा कि हम सभी जानते हैं कि विश्व एड्स दिवस प्रतिवर्ष 1 दिसंबर को मनाया जाता है। और प्रत्येक वर्ष की तरह इस वर्ष भी डॉ राधाकृष्णन कॉलेज ऑफ एजुकेशन करमेता जबलपुर में इस अवसर पर विशाल रैली लोगों को जाग्रत करने हेतु निकाली गई।

इस जागरूकता रैली का प्रारंभ प्रातः 10 बजे किया गया। प्रातः 8.30 बजे महाविद्यालय में समस्त विद्यार्थी अपनी महाविद्यालयीन वेशभूषा में एकत्र हुए। समस्त विद्यार्थियों के हाथों में एड्स जागरूकता हेतु विभिन्न पोस्टर तथा स्लोगन थे। प्रातः 9 बजे समस्त विद्यार्थी पंक्तिबद्ध होकर महाविद्यालय प्रांगण में खड़े हुए और

"जन जन का यह है नारा, एड्स मुक्त हो देश हमारा"
"हमने अब यह ठाना है, एड्स को जड़ से मिटाना है"

इन नारों को लगाते हुए एक पंक्ति में एकत्र हुए। और अधिकाधिक संख्या में उपस्थित होकर जागरूक युवा का परिचय एड्स के बचाव के प्रति जागरूकता का संदेश लोगों तक पहुँचाने में अपना योगदान दिया।

प्रातः 10 बजे महाविद्यालय के संस्थापक श्री अभिषेक चौबे जी, अध्यापिका श्रीमती डॉ. भावना खोली जी तथा महाविद्यालय की संस्थापक और विद्यालय की प्राचार्या श्रीमती सपना चौबे जी की अध्यक्षता में आरंभ किया गया। सर्वप्रथम संस्थापक श्री अभिषेक चौबे जी ने समस्त महाविद्यालय के छात्रों को उद्बोधित करते हुए कहा कि, वैसे तो विश्व एड्स दिवस के दिन हर वर्ष कई सारे कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं लेकिन इन कार्यक्रमों का असली अर्थ तब सार्थक होगा जब लोगों तक इसका संदेश पहुँचेगा। आज विश्व एड्स दिवस की यह 30 वीं वर्षगांठ है। इस रैली का मुख्य उद्देश्य इस बीमारी से प्रभावित लोगों को इसके बचाव और रोकथाम के विषय में प्रेरित करना है। तथा समाज में इस रोग से प्रभावित व्यक्तियों को भी समाज में उचित सम्मान दिलाने की आवश्यकता है। ताकि वे सामान्य व्यक्तियों की तरह अपना जीवन यापन कर सकें। पूरे विश्व में बेहतर जागरूकता के लिए वक्ताओं और प्रदर्शकों द्वारा रैलियाँ तथा विद्यालयों और महाविद्यालयों में लाल रिबन आशा के चिह्न के रूप में बाँटे जाते हैं।

डॉ. राधाकृष्णन कालेज
ऑफ एजुकेशन
बी. एड. सत्र
आपका हार्दिक अभिनंदन करता है

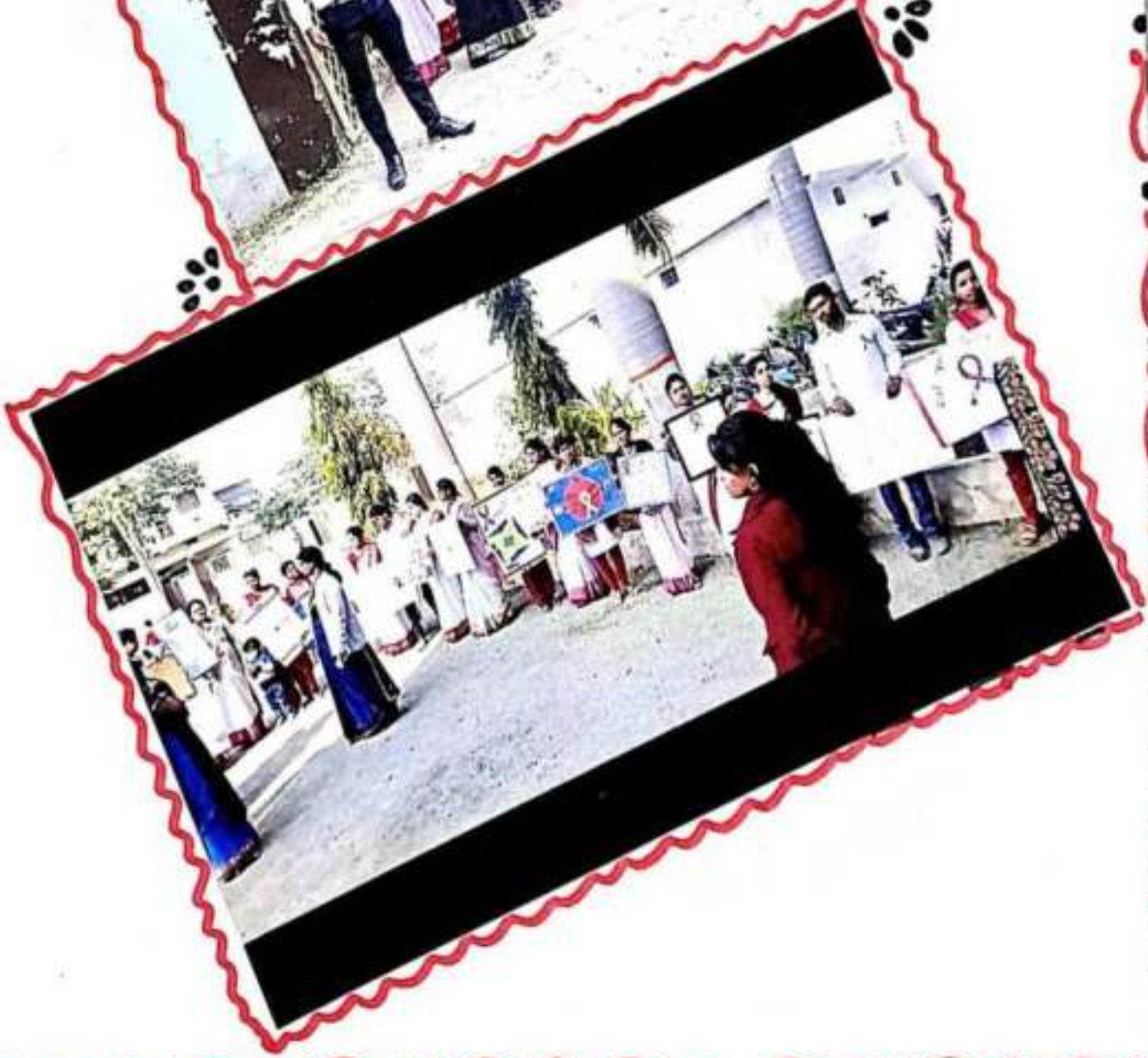

संचालक महोदय के द्वारा उद्बोधन के बाद महाविद्यालय की प्राचार्या श्रीमती डॉ भावना सोनीजी से छात्रों ने अनुग्रह किया कि, वे इस अवसर पर उन्हें महत्वपूर्ण जानकारियाँ देकर उत्साहित व उद्बोधित करें। विद्यार्थियों के इस अनुनय को स्वीकार करते हुए प्राचार्या जी ने कहा कि, हर साल विश्व एड्स दिवस मनाने का उद्देश्य नए और प्रभावी नीतियों और कार्यक्रमों को बनाने स्वास्थ्य प्रणाली को मजबूत करने के साथ ही एच-आई-वी एड्स के प्रति स्वास्थ्य क्षेत्रों की क्षमता को बढ़ाने के उद्देश्य राज्यों का समर्थन करना चाहिए। उन्होंने कहा कि एड्स यानि (इम्यून डेफिशिएंसी सिंड्रोम या एक्वायर्ड इम्यूनो डेफिशिएंसी सिंड्रोम) एच आई वी की वजह से होता है यह एक ह्यूमन इम्यूनो वायरस होता है जो मानव शरीर की प्रतिरक्षा प्रणाली पर हमला करता है। यह संक्रमण आसानी से दूसरे व्यक्ति के शरीर में तरल पदार्थों तथा इंजेक्शन के माध्यम से प्रवेश कर सकता है। एड्स के बारे में समाज के लोगों में कुछ गलत धारणाएँ हैं जैसे एड्स हाथ मिलाने, गले लगाने, छींकने तथा छूने से फैलता है जो कि बिल्कुल गलत है। हमें ऐसे व्यक्तियों की सोच को बदलकर एड्स से ग्रसित लोगों को समाज में सम्मान दिलाना होगा, जो कि जागरूकता द्वारा ही सम्भव है। अतः आज हम सब यहाँ एकत्रित होकर यह संकल्प लें कि इस रोग को जड़ से मिटाने हेतु स्वयं जागरूक रहकर अपने आसपास के अधिक से अधिक लोगों को जागरूक करने का

प्रयास करेंगे। प्राचार्या जी के इस महत्वपूर्ण जानकारियों से अवगत होते हुए छात्रों ने तालियों की गड़गड़ाहट से उनका आदर व सम्मान किया तथा एड्स के जागरूकता से संबंधित नारे लगाकर (मत करो इतनी मस्ती, जिंदगी नहीं है इतनी सस्ती, हाथ बढ़ाएं उन्हें उपेक्षित जीवन जीने से बचाएं, सतर्क रहे सुरक्षित रहे, सावधानी में ही सुरक्षा।, सुरक्षा जीवन का अर्थ है, इसके बिना जीवन व्यर्थ है।) ~~छात्रों~~ अपने उत्साह का प्रदर्शन किया।

इस कार्यक्रम को आगे बढ़ाते हुए महाविद्यालय प्रांगण में महाविद्यालय के विद्यार्थियों सहित विद्यालय के समस्त छात्र (न्यु आकांक्षा उच्चतर माध्यमिक शाला के) को भी श्रृंखला बनाकर एकत्र किया गया, जिसमें विद्यालय के समस्त शिक्षकगण भी शामिल थे। सभी विद्यार्थियों के हाथ में एक-एक स्लोगन तथा पोस्टर दिए गए। तथा उन्हें लाल रिबन आशा के प्रतीक के रूप में लगाए गए। पूरे विश्व भर में लोग आज के दिन लाल रिबन पहनकर एड्स पीड़ित व्यक्तियों के प्रति अपनी भावनात्मकता व्यक्त करते हैं। ऐसा लोगों में जागरूकता बढ़ाने के लिए किया जाता है। समस्त विद्यालय तथा महाविद्यालय के शिक्षकों तथा प्राध्यापकों ने भी लाल रिबन लगाकर एड्स रोगियों के प्रति अपनी भावना एवं संवेदना व्यक्त की। कार्यक्रम को आगे बढ़ाते हुए महाविद्यालय एवं विद्यालय की प्राचार्या जी ने हरी झंडी दिखाकर रैली को आगे बढ़ने की अनुमति दी। इसके साथ ही महाविद्यालय और

और विद्यालय के छात्रों के समूह लोगों को एड्स के प्रति जागरूक करने के लिए निकल पड़ा। इसमें महाविद्यालय के समस्त प्राध्यापक गण श्रीमती ज्योति शुक्ला, श्रीमती समता तिवारी, श्रीमती सुधा पौधि, श्रीमती स्वाति श्रीवास्तव, श्रीमती प्रीति विश्वास, श्रीमती ज्योत्सना श्रीवास, श्रीमती मधु मिश्रा तथा कुमारी शुभी शर्मा भी शामिल थी। इसके अलावा हम आकांक्षा हायर सेकेण्डरी स्कूल के शिक्षकगण, श्रीमती राधा पटेल, श्रीमती निधि साहू, कु॰ श्वेता साहू श्री मनोज दुबे, श्री सी॰पी॰ सर आदि भी शामिल हुए। और समस्त कर्मचारी ने भी इस विशाल जागरूकता रैली में अपना सहयोग प्रदान किया। यह विशाल जागरूकता रैली महाविद्यालय प्रांगण से निकलकर मुख्य मार्ग से होते हुए करमेता के ग्रामीण क्षेत्रों से निकलकर, आई॰टी॰आई॰ चुंगी नाका से होते हुए दीनदयाल तक पहुँची। समस्त विद्यार्थियों ने जोर शोर से नारे लगाते हुये अपने जागरूक होने का परिचय दिया। शिक्षकों तथा प्राध्यापकों ने भी समय समय पर छात्रों का उत्साहवर्धन किया तथा पानी का वितरण किया। तथा लोगों को बताया कि एड्स एक जानलेवा बीमारी है, इसे दूर करना हम सभी का कर्तव्य है। इससे सतर्क व सुरक्षित रहना हमारी जिम्मेदारी है। छात्रों ने भी ग्रामीण क्षेत्रों में एड्स के प्रति लोगों को जागरूक करते हुये कहा कि, निश्चित ही शहरी क्षेत्र में एड्स के प्रति लोगों की जागरूकता बढ़ी है

लेकिन ग्रामीण क्षेत्र एवं निम्न वर्ग में आज भी जानकारी का अभाव है। हमारे देश में आज भी एड्स पीड़ित समाज एवं परिवार में होनेवाले भेदभाव के भय से यह बात स्वीकार करने से कतराते हैं। इसलिए हमारा भी कर्तव्य है कि, ऐसे व्यक्तियों से भेदभाव न रखते हुए समानता का भाव रखें। इसके पश्चात दीनदयाल से पुनः महाविद्यालय की ओर रैली निकाली गई महाविद्यालय की संस्थापिका श्रीमती वन्दना चौबे जी एवं प्राचार्य श्रीमती डॉ भावना सोनी भी रैली के साथ-साथ चलते हुए समस्त रैली में शामिल विद्यार्थियों, प्राध्यापकों, शिक्षकों तथा कर्मचारियों का उत्साह वर्धन करती रहीं। स्लोगन व पोस्टर के माध्यम से अधिक से अधिक लोगों को संदेश देते हुए जागरूक किया। एड्स रोग की समस्या एवं समाधान विषय पर लोगों को जागरूक करते हुए यह रैली महाविद्यालय प्रांगण में समाप्त हुई। इसके बाद कॉलेज के सेमिनार हॉल में एड्स से संबंधित कार्यक्रम आयोजित किए गए। जिसमें छात्रों ने कविता, भाषण एवं स्लोगन के माध्यम से एड्स से संबंधित जानकारी दी तथा बचाव व सुरक्षा के उपाय भी बताये। वहीं नव-प्रवेशित छात्र-छात्राओं ने नुक्कड़ नाटक के माध्यम से एड्स के प्रति सतर्कता एवं सुरक्षा को लेकर रोचक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। तथा एड्स से संबंधित विभिन्न मुद्दों पर अपने मत रखे। छात्राओं के साथ-साथ प्राध्यापकों ने

एड्स से संबंधित विषय पर महत्वपूर्ण जानकारियाँ दी और कहा कि, भारत में 2017 तक करीब 1 लाख 20 हजार बच्चे इस रोग से पीड़ित हैं। एड्स वर्तमान युग की सबसे बड़ी स्वास्थ्य समस्याओं में से एक है। विश्व एड्स दिवस वर्तमान में अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर सबसे ज्यादा मान्यता प्राप्त स्वास्थ्य कार्यक्रमों में से एक है।

कार्यक्रम के अंत में महाविद्यालय की प्राचार्या श्रीमती डॉ भावना सोलंकी तथा महाविद्यालय की संचालिका श्रीमती कृष्णा चौहान जी ने समस्त विद्यार्थियों को चॉकलेट, बिस्कुट तथा मिठाइयां बांटी गई। समस्त स्कूली विद्यार्थियों को भी मिठाईयां तथा पानी पाउच बांटे गए। अंततः इस कार्यक्रम के समापन में प्राचार्या जी ने सभी छात्रों तथा अभिभावकों को संबोधित करते हुए कहा, कि आज हम सभी ने विश्व एड्स दिवस समारोह के अंतर्गत जो जागरूकता रैली कार्यक्रम का आयोजन किया वह तभी सार्थक होगा जब हम इस जागरूकता के माध्यम से एक भी एड्स पीड़ित व्यक्ति को उसका सम्मान दिला सकें एक व्यक्ति की एड्स से मदद, समाज की मदद के समान है। हम सभी जानते हैं कि इसका कोई इलाज नहीं है। लेकिन कुछ उपचारों के माध्यम से इसे काफी हद तक कम किया जा सकता है। अतः इस रोग से लड़ने और बचने का एक ही

उपाय है। सतर्कता और सुरक्षा ही इस का उपाय है। अतः हम सभी को यह संकल्प लेना चाहिए कि हम सभी को स्वयं भी सतर्क रहना चाहिए और लोगों को भी इस लाइलाज बीमारी के प्रति जागरूक रहने के लिए प्रेरित करना चाहिए इस तरह इस कार्यक्रम को असली अर्थ तब सार्थक होगा जब लोगों तक हमारा संदेश पहुँचेगा लोग इस रोग से बचाव के बारे में जानेंगे तथा स्वयं भी जागरूक रहेंगे। इस तरह सभी छात्र छात्राओं शिक्षक शिक्षिकाओं और प्राध्यापकों के सहयोग से इस रैली का समापन सफलतापूर्वक समापन किया गया।

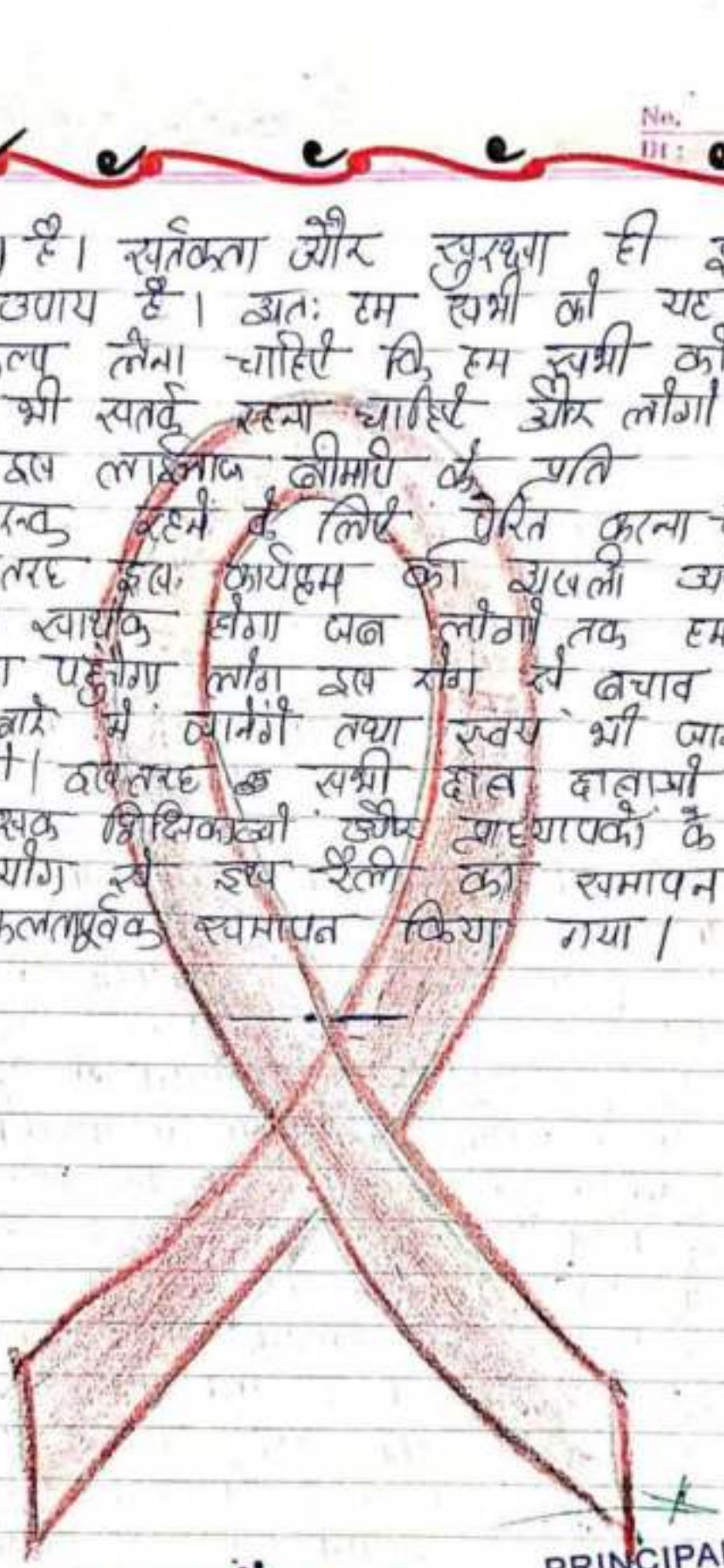

PRINCIPAL
Dr. Radhakrishnan College of
Education Karmeta, Jabalpur

दिनांक 12 जनवरी 2023

रानी दुर्गावती खेल परिसर

सामूहिक सूर्य नमस्कार

रानी दुर्गावती खेल परिसर

डॉ. राधाकृष्णन कॉलेज ऑफ एजुकेशन

विषय :12 जनवरी 23 प्रात: 9:00 बजे सामूहिक सूर्य नमस्कार

भुजंगासन

सहजयोग प्रशिक्षण कार्यशाला

दिनांक: 19/12/22 से 21/12/22

PRINCIPAL
Dr. Rad... College of
Educa... ...abalpur

समय : 1:00-2:00 P.M